Principal's Office, Raja Bhoj Govt. College, Katangi, Balaghat (M.P.)

(ACCREDITED WITH "C" GRADE BY NAAC)

Phone 07630-250087

Email: hegckatbal@mp.gov.in

Website: www.mpgov.in/highereducationgc/katangi

AQAR for Academic Session: 2023-24

7.1.1- Measures initiated by the Institution for the promotion of gender equity during the year-

Special Facilities provides for Women

S.No.	Name of the Event	Organizing unit/ Agency	Name of the Scheme/Department	Year of the activity	Number of students participated
1	लैंगिक उत्पीड़न एवं कानूनी जागरूकता	Raja Bhoj Govt. College Katangi, Balaghat	IQAC	26/12/2023	260
2	विश्व महिला दिवस महिला सशक्तिकरण एवं विधिक सहायता	Raja Bhoj Govt. College Katangi, Balaghat	NSS	07/03/2024	159

Raja Bhoj Government College, Katangi, Balaghat

Event Report

1.	Name of Event	कार्यस्थल में माहिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न
2.	Date of event	26/12/ 2023
3.	Organising Committee Members Name	प्रो. अनिल कुमार शेंडे (प्राचार्य) डॉ कुसुम लता उइके (**IQAC**प्रभारी) सुश्री कविता अहिगारे (संयोजक) सुश्री शीतल गुजरे (सदस्य)
4.	Organised By	कार्यस्थल में महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न समिति राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी बालाघाट (मध्य-प्रदेश)
5.	Guest	1.श्रीमती माणिकमणि कुमावत (SDOPKATANGI) 2. श्री टेलेंद्र वाघमारे (जनभागीदारी सदस्य)
6.	Summary of Event	राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में महिला शिकायत निवारण समिति के अंतर्गत कार्यस्थल में लैंगिक उत्पीड़न विषय पर कार्यशाला का आयोजन संयोजक सुश्री कविता अहिगारे, के द्वारा संस्था प्रमुख अनिल कुमार शेंडे, आई.क्यू.ए.सी प्रभारी डॉ.कुसुमलता उईके के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें आमंत्रित मुख्य अतिथी एसडीओपी श्रीमती माणिकमणि कुमावत के द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को बताया विश्वसनीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करें।ऑनलाइन डेटिंग साइट्स से दूर रहें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ऑनलाइन मित्र से एकांत में अकेले मिलने न जाएं। एसडीओपी मैडम ने विद्यार्थियों से परिचर्चा कर उनकी समस्या का समाधान किया । प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में विद्यार्थी अनुशासन में रहकर कार्य करे। इस कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश छात्राओ में सोशल मीडिया की ठगी से बचना और कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की घटना न हों इसके लिए जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनना हैं। सफल आयोजन में सुश्री शीतल गुजरे डॉ निखत खान जनभागीदार सदस्य ट्विंकल वाघमारे,महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ और विद्यार्थियों की भागीदारी रही।
7.	Number of Participants	260

8.	EventPhotographs -1	
	2 Geo-TaggedPhotos-1	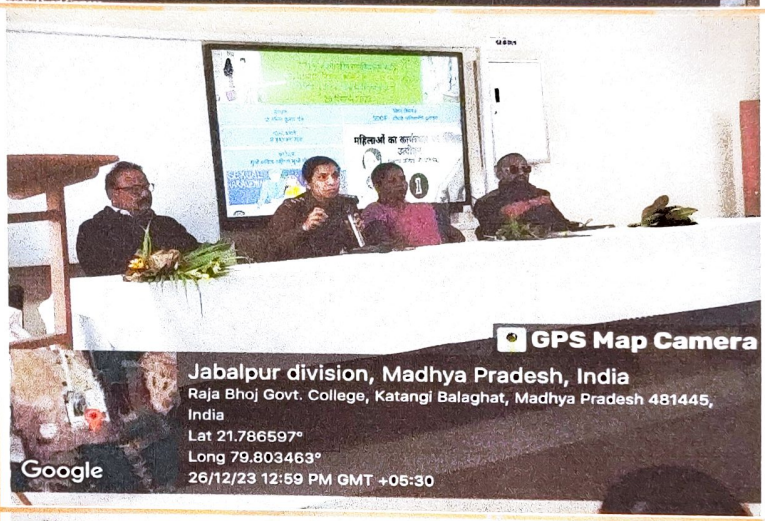
	3	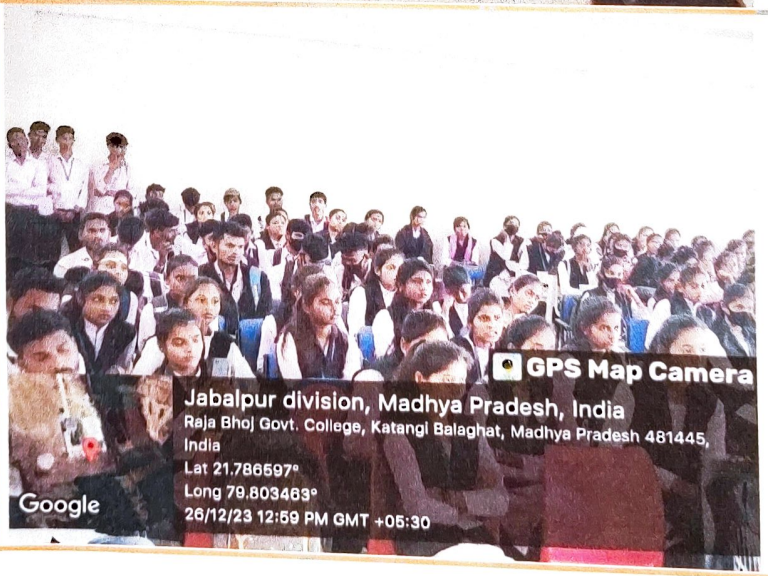

	4	
9.	5	GPS Map Camera Jabalpur division, Madhya Pradesh, India Raja Bhoj Govt. College, Katangi Balaghat, Madhya Pradesh 481445, India Lat 21.786597° Long 79.803463° 26/12/23 12:58 PM GMT +05:30 Google
	6	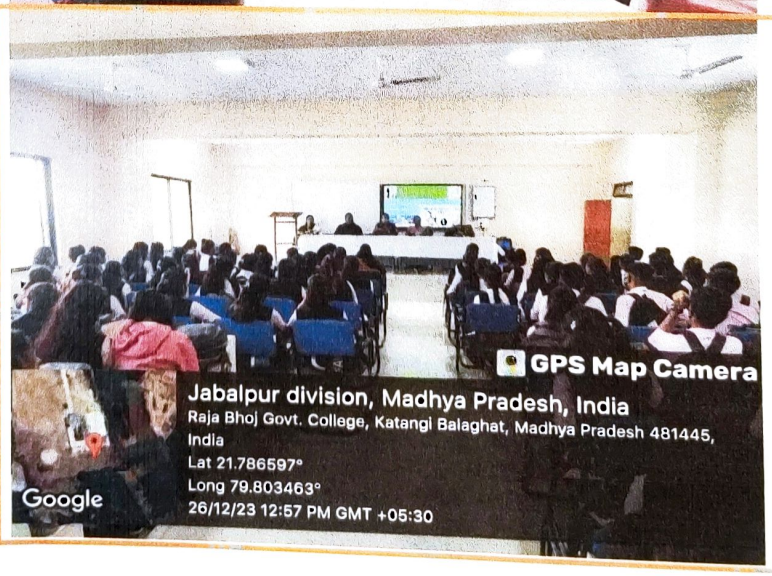GPS Map Camera Jabalpur division, Madhya Pradesh, India Raja Bhoj Govt. College, Katangi Balaghat, Madhya Pradesh 481445, India Lat 21.786597° Long 79.803463° 26/12/23 12:57 PM GMT +05:30 Google

10. PressRelease1

छात्र-छात्राओं से रूबरू हुई एसडीओपी, लैंगिक उत्पीड़न और कानूनी जागरूकता विषय पर हुई क 5/12 ल

जगप्रेरणा कटंगी।

कटंगी नगर की उच्च शैक्षणिक संस्था शासकीय राजा भोज महाविद्यालय में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस छात्र-छात्राओं से रूबरू हुई। महाविद्यालय में महिला निवारण शिकायत समिति की ओर से लैंगिक उत्पीड़न और कानूनी जागरूकता विषय पर जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जहां पर एसडीओपी माणिक मणि कुमावत बतौर प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुई।

महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार शेण्डे और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ कुसुमलता उइके के मार्गदर्शन और सुश्री कविता अहिरवार, सुश्री शीतल गुजरे के नेतृत्व में कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस दौरान जनभागीदारी समिति सदस्य टेलेन्द्र बाघमारे भी मौजूद रहे। जहां पर एसडीओपी ने बताया कि किस तरह महिलाओ के साथ कार्यस्थल पर शोषण किया जाता है शोषण की कई तरीके हो सकते है।

इसलिए महिलाओं को संरक्षण प्रदान करने के लिए और कार्यस्थल पर उसके अधिकारों की रक्षा करने के लिए महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 अधिनियमित किया गया है।

जिसके चलते हर कार्यालय में एक समिति बनी हुई है जहां महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। एसडीओपी ने जन सामान्य के समझ आने वाली साधारण भाषा में छात्र-छात्राओं को कानूनी जानकारी दी। इस दौरान छात्रों ने भी अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए एसडीओपी से कई सवाल पूछे जिनका उन्होंने जवाब देकर विद्यार्थियों को संतुष्ट किया। इससे पहले एसडीओपी ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वह सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म और डेटिंग एप से दूर रहे।

सोशल मीडिया पर दिन में होने वाली सभी छोटी-बड़ी एक्टिविटी पोस्ट करना घातक होता है खासतौर से छात्राओं के लिए ऐसा करना कई बार कई मुश्किलों को जन्म देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सोशल मीडिया की बजाए उपन्यास, साहित्य, इतिहास की पुस्तकों में अपना समय लगाए। जिससे एक बेहतर भविष्य की संरचना होगी। जीवन को खुशहाल बनाने के लिए परिवार और अच्छे दोस्तों के साथ अपना वक्त गुजारे। इससे आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और रिश्तों में भी सुधार आएगा। हालांकि उन्होंने यह भी कि रिश्तों की पहचान करना भी बेहद आवश्यक है किसी पर भी अचानक से भरोसा करना गलत है।

चूंकि महिलाओं से उत्पीड़न के अधिकाश मामलों में उनके करीबी ही अपराधी पाए जाते है। इसलिए सही और गलत की पहचान करें। अगर कोई परेशान करता है तो सबसे पहले अपने माता-पिता या स्कूल-कॉलेज में प्राचार्य से शिकायत करें। पुलिस नाम की पहचान किए बगैर भी पीड़ित को मदद पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को गुड टच और बेड टच के बारे में जरूर बताए।

इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार शेण्डे ने कॉलेज की दो घटनाओं का जिक्र करते कहा कि कई बार पारिवारिक झगड़ों को भी कॉलेज परिसर में लाया जाता है जिस कारण फैसला करना मुश्किल हो जाता है ऐसी झूठी शिकायतें भी ना करें। छात्र हो या छात्रा हर किसी को कॉलेज की शिकायत समिति के पास अपनी शिकायत करने का अधिकार है बस इस बात का ध्यान रखा जाए कि शिकायत सही होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

2

छात्र-छात्राओं से रूबरू हुई एसडीओपी

लैंगिक उत्पीड़न और कानूनी जागरूकता विषय पर कार्यशाला आयोजित

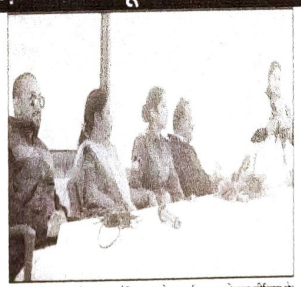

कटंगी (जबलपुर एक्सप्रेस)।

कटंगी नगर की उच्च शैक्षणिक संस्था शासकीय राजा भोज महाविद्यालय में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस छात्र-छात्राओं से रूबरू हुई. महाविद्यालय में महिला निवारण शिकायत समिति की ओर से लैंगिक उत्पीड़न और कानूनी जागरूकता विषय पर जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था. जहां पर एसडीओपी माणिक मणि कुमावत बतौर प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुई. महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार शेण्डे और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ कुसुमलता उइके के मार्गदर्शन और सुश्री कविता अहिरवार, सुश्री शीतल गुजरे के नेतृत्व में कार्यशाला का आयोजन हुआ. इस दौरान जनभागीदारी समिति सदस्य टेलेन्द्र बाघमारे भी मौजूद रहे. जहां पर एसडीओपी ने बताया कि किस तरह महिलाओ के साथ कार्यस्थल पर शोषण किया जाता है शोषण की कई तरीके हो सकते है. इसलिए महिलाओ को संरक्षण प्रदान करने के लिए और कार्यस्थल पर उसके अधिकारों की रक्षा करने के लिए

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 अधिनियमित किया गया है. जिसके चलते हर कार्यालय में एक समिति बनी हुई है जहां महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है.

एसडीओपी ने जन सामान्य के समझ आने वाली साधारण भाषा में छात्र-छात्राओं को कानूनी जानकारी दी. इस दौरान छात्रों ने भी अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए एसडीओपी से कई सवाल पूछे जिनका उन्होंने जवाब देकर विद्यार्थियों को संतुष्ट किया. इससे पहले एसडीओपी ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वह सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म और डेटिंग एप से दूर रहे. सोशल मीडिया पर दिन में होने वाली सभी छोटी-बड़ी एक्टिविटी पोस्ट करना घातक होता है खासतौर से छात्राओं के लिए ऐसा करना कई बार कई मुश्किलों को जन्म देता है. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सोशल मीडिया की बजाए उपन्यास, साहित्य और इतिहास की पुस्तकों में अपना समय लगाए. जिससे एक बेहतर भविष्य की संरचना होगी. जीवन को खुशहाल बनाने के लिए परिवार और अच्छे दोस्तों के साथ अपना वक्त गुजारे. इससे आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और रिश्तों में भी सुधार आएगा. हालाँकि उन्होंने यह भी कि रिश्तों की पहचान करना भी बेहद आवश्यक है किसी पर भी अचानक से भरोसा करना गलत है. चूंकि महिलाओं से उत्पीड़न के अधिकाश मामलों में उनके करीबी ही अपराधी पाए जाते है. इसलिए सही और गलत की पहचान करे. अगर कोई परेशान करता है तो सबसे पहले अपने माता-पिता या स्कूल-कॉलेज में प्राचार्य से शिकायत करें. पुलिस नाम की पहचान किए बगैर भी पीड़ित को मदद पहुंचाती है. उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को गुड टच और बेड टच के बारे में जरूर बताए. इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार शेण्डे ने कॉलेज की दो घटनाओं का जिक्र करते कहा कि कई बार पारिवारिक झगड़ों को भी कॉलेज परिसर में लाया जाता है जिस कारण फैसला करना मुश्किल हो जाता है ऐसी झूठी शिकायतें भी ना करें. छात्र हो या छात्रा हर किसी को कॉलेज की शिकायत समिति के पास अपनी शिकायत करने का अधिकार है बस इस बात का ध्यान रखा जाए कि शिकायत सही होना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की.

	3	

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Satpura Bhoomi - 27 Dec 2023 - Page 2

छात्र-छात्राओं से रूबरू हुई एसडीओपी : लैंगिक उत्पीड़न और कानूनी जागरूकता विषय पर हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी नगर की उच्च शैक्षणिक संस्था शासकीय राजा भोज महाविद्यालय में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस छात्र-छात्राओं से रूबरू हुई. महाविद्यालय में महिला निवारण शिकायत समिति की ओर से लैंगिक उत्पीड़न और कानूनी जागरूकता विषय पर जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था. जहां पर एसडीओपी माणिक मणि कुमावत बतौर प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुई. महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार शेण्डे और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ कुसुमलता उइके के मार्गदर्शन और सुश्री कविता अहिंगारे, सुश्री शीतल गुजरे के नेतृत्व में कार्यशाला का आयोजन हुआ. इस दौरान जनभागीदारी समिति सदस्य टेलेन्द्र वाघमारे भी मौजूद रहे. जहां पर एसडीओपी ने बताया कि किस तरह महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर शोषण किया जाता है शोषण की कई तरीके हो सकते है. इसलिए महिलाओं को संरक्षण प्रदान करने के लिए और कार्यस्थल पर उसके अधिकारों की रक्षा करने के लिए महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 अधिनियमित किया गया है, जिसके चलते हर कार्यालय में एक समिति बनी हुई है जहां महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है।

एसडीओपी ने जन सामान्य के समझ आने वाली साधारण भाषा में छात्र-छात्राओं को कानूनी जानकारी दी. इस दौरान छात्रों ने भी अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए एसडीओपी से कई सवाल पूछे जिनका उन्होंने जवाब देकर विद्यार्थियों को संतुष्ठ किया. इससे पहले एसडीओपी ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वह सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म और डेटिंग एप से दूर रहे. सोशल मीडिया पर दिन में होने वाली सभी छोटी-बड़ी एक्टिविटी पोस्ट करना घातक होता है खासतौर से छात्राओं के लिए ऐसा करना कई बार कई मुश्किलों को जन्म देता है. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सोशल मीडिया की बजाए उपन्यास, साहित्य और इतिहास की पुस्तकों में अपना समय लगाए, जिससे एक बेहतर भविष्य की संरचना होगी. जीवन को खुशहाल बनाने के लिए परिवार और अच्छे दोस्तों के साथ अपना वक्त गुजारें. इससे आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और रिश्तों में भी सुधार आएगा. हालांकि उन्होंने यह भी कि रिश्तों की पहचान करना भी बेहद आवश्यक है किसी पर भी अचानक से भरोसा करना गलत है. चूंकि महिलाओं से उत्पीड़न के अधिकांश मामलों में उनके करीबी ही अपराधी पाए जाते है. इसलिए सही और गलत की पहचान करें. अगर कोई परेशान करता है तो सबसे पहले अपने माता-पिता या स्कूल-कॉलेज में प्राचार्य से शिकायत करें. पुलिस नाम की पहचान किए बगैर भी पीड़ित को मदद पहुंचाती है. उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को गुड टच और बेड टच के बारे में जरूर बताए।

Attached:

1. Geo-Tagged Photos
2. PressRelease

EventCoordinator

IQACCoordinator

Principal

PRINCIPAL
Raja Bhoj Govt. College
Katangi-Balaghat- M.P

Raja Bhoj Government College, Katangi, Balaghat

Event Report

1.	Name of Event	**विश्व महिला दिवस (महिला सशक्तिकरण एवं विधिक साक्षरता)**
2.	Date of event	07/03/ 2024
3.	Organising Committee Members Name	**श्रीअनिल कुमार शेंडे (प्राचार्य)** डॉ कुसुम लता उइके (IQACप्रभारी) श्री पवन सोनी, - संयोजक **(राष्ट्रीय सेवा योजना)** श्रीमती अनीता देशमुख - सदस्य सुश्री कविता अहिगारे , संयोजक - **कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (संयोजक)** सुश्री शीतल गुजरे - सदस्य
4		Principal Office, Raja Bhoj Govt. College, Katangi, Balaghat (M.P.) Phone 07630&250087 (ACCREDITED WITH "C" GRADE BY NAAC) Email: hegekatbal@mp.gov.in Website: www.mpgov.in/highereducation/gc katangi कटंगी, दिनांक 06/03/2024 //सूचना// महाविद्यालय में कार्यरत समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ एवं अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 07 मार्च 2024 को (08 मार्च 2024 को महाशिवरात्रि का शासकीय अवकाश होने के कारण) समाजशास्त्र विभाग द्वारा "अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस" का आयोजन प्रातः 10.00 बजे से नवीन सभाकक्ष [illegible] किया जाता है। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सुश्री सुधा पांडे जी प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट [illegible] अतः सभी लोग अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। प्राचार्य PRINCIPAL

5	Organised By	महिला शिकायत निवारण समिति, -**कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न** समाजशास्त्र विभाग के सयुक्त तत्वाधान राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी बालाघाट (मध्य-प्रदेश)
5.	Guest	1.मुख्य अतिथि माननीय न्यायधीश- **सुश्री सुधा पाण्डेय** 2.विशेष अतिथि अधिवक्ता **-श्री संजय खोब्रागडे** 3.अतिथि - **श्री स्वप्नील पाटिल** 4.अतिथि- **डॉ. निखत खान**
6.	Summary of Event	राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में **IQAC**समिति के अंतर्गत महिला शिकायत निवारण एवं समाजशास्त्र विभाग के सयुक्त तत्वावधान में विश्व महिला दिवस के अवसर पर **(08 MARCH को शिवरात्री का अवकाश होने के कारण)दिनांक**07/03/2024 दिन गुरुवार को महाविद्यालय में **महिला सशक्तिकरण एवं विधिक साक्षरता**"विषय पर कार्यशाला का आयोजन**कार्य स्थल पर लेंगिक उत्पीडन** की संयोजक सुश्री **कविता अहिगारे,राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री पवन सोनी**के सयुक्त तत्वाधान में संस्था के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार मेश्राम,**आई.क्यू.ए.सी प्रभारी डॉ.कुसुमलता उईके** के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें आमंत्रित मुख्य अतिथि माननीय न्यायधीश- **सुश्री सुधा पाण्डेय** के द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को बताया समाज से लड़कर भी छात्राएँ अपने लक्ष्य तक पहुँच सकती है महिलाओ के साथ होने वाली समस्या जैसे दहेज़ प्रथा,धरेलुहिंशा का सामना कर अपने जीवन को आर्थिक रूप से सबल बना सकती है । श्री संजय खोब्रगाड़े ने सावित्री फुले जैसे महान प्रथम भारत की शिक्षित महिला जिन्होंने समाज के प्रतिकूल व्यवस्था से लड़कर महिला ससक्तिकरण का उद्धरण प्रस्तुत किया । रसायन विभाग के श्री स्वप्निल पाटिल ने अपने वक्तव्य में महिलाओ को विज्ञान के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने की सलाह दिया । **डॉ निखत खान** ने कहा कि समाज में जब तक सफल नहीं होते तब तक संघर्ष करना चाहिए,फिर वो ही समाज के लोग आपका सम्मान भी करेंगे। सुश्री कविता अहिगारे के द्वारा मंच संचालन किया गया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में सुश्री शीतल गुजरे,श्रीमती अनिता देशमुख ,रागिनी गुप्ता, डॉ आशीष मेश्राम, राजू विश्वकर्मा,प्रणीत चौरेमहाविद्यालय के समस्त स्टॉफ,विद्यार्थी एवं**राष्ट्रीय सेवा योजना**(एनएसएस) टीम का विशेष योगदान रहा। डॉ महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ और विद्यार्थियों की भागीदारी रही।
7.	Number of Participants	**159**

8.	EventPhotographs -1	

9.		

<table>
<tr><td></td><td></td><td>
</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>PressRelease1</td><td>

महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण एवं कानूनी जागरूकता विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन..

❖ समाज से लड़कर छात्रा अपने लक्ष्य तक पहुंच सकती है- न्यायाधीश सुधा पांडे..

❖ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महाविद्यालय में हुआ आयोजन..

संदीप शर्मा जगप्रेरणा कटंगी।

शहर के राजा भोज शासकीय महाविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी. समिति द्वारा महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुरुवार को महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण एवं कानूनी जागरूकता विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

कार्यशाला का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार मेश्राम आइक्यूएसी प्रभारी डॉ कुसुम लता उईके के निर्देशन में किया गया था आयोजित व्याख्यान में न्यायधीश सुश्री सुधा पांडे द्वारा छात्राओं को बताया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, बालिका दिवस के बारे में सभी को पता है लेकिन पुरुष दिवस के बारे में किसी को भी पता नहीं है जबकि पुरुष दिवस भी मनाया जाता है इसलिए यहां पर समानता है।

महिला दिवस मनाने के पीछे कारण क्या है ऐसा क्यों है इस पर सभी को विचार करना जरूरी है की महिलाओं को वर्ष 1908 के पहले तक वोट देने का अधिकार नहीं था इसके अलावा एक ही काम के लिए महिला और पुरुष को अलग-अलग वेतन दिया जाता था अधिक समय तक काम करने के बावजूद भी महिला को कम वेतन दिया जाता था इन्हीं सब वजह से धीरे-धीरे फैक्ट्री वर्कर्स द्वारा आंदोलन किए जाने लगे जिसके परिणाम स्वरूप अब महिलाओं को समानता की दृष्टि से अब देखा जाने लगा है। समाज से लड़कर छात्रा अपने लक्ष्य तक पहुंच सकती है महिलाओं के साथ होने वाली समस्या जैसे दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा का सामना कर अपने जीवन को आर्थिक रूप से सफल बना सकती है एवं महिलाओं को भी पुरुष के समान अधिकार प्राप्त है।

अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े ने बताया सावित्री फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका थी जिन्होंने समाज की प्रतिकूल व्यवस्थाओ से लड़कर महिला सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया था डॉ बाबा साहेब आंबेडकर के विचार शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा वही दहाड़ेगा जैसे वक्तव्य से छात्राओं को प्रेरित किया। रसायन शास्त्र विभाग के स्वप्निल पाटिल ने अपने वक्तव्य में हर एक महिला को विज्ञान के क्षेत्र में अपने भविष्य बनाने की सलाह दी।

डॉ निखत खान ने कहा कि समाज में जब तक सफल नही होते तब तक संघर्ष करना चाहिए,फिर वो ही समाज के लोग आपका सम्मान भी करेंगे। सुश्री कविता अहिरवार के द्वारा मंच संचालन किया गया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में सुश्री शीतल गुर्जर, श्रीमती अनिता देशमुख, रागिनी गुप्ता, पवन सोनी, डॉ आशीष मेश्राम, के अलावा महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ, विद्यार्थियों, एवं एनएसएस टीम का विशेष योगदान रहा।

</td></tr>
</table>

2

महिला सशक्तिकरण एवं कानूनी जागरूकता विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

समाज से लड़कर छात्रा लक्ष्य तक पहुंच सकती है : न्याया. सुधा पांडे

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महाविद्यालय में हुआ आयोजन

दिव्य एक्सप्रेस/ कटंगी। शहर के राजा भोज शासकीय महाविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी. समिति द्वारा महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुरुवार को महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण एवं कानूनी जागरूकता विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डा. प्रमोद कुमार मेश्राम, आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. कुसुम लता उइके के निर्देशन में किया गया। आयोजित व्याख्यान में न्यायधीश सुधा पांडे द्वारा छात्राओं को बताया अंतराष्ट्रीय महिला दिवस, बालिका दिवस के बारे में सभी को पता है लेकिन पुरुष दिवस के बारे में किसी को भी पता नहीं है जबकि पुरुष दिवस भी मनाया जाता है इसलिए यहां पर समानता है। महिला दिवस मनाने के पीछे कारण क्या है ऐसा क्यों है इस पर सभी को विचार करना जरूरी है की महिलाओं को वर्ष 1908 के पहले तक वोट देने का अधिकार नही था इसके अलावा एक ही काम के लिए महिला और पुरुष को अलग-अलग वेतन दिया जाता था अधिक समय तक काम करने के बावजूद भी महिला को कम वेतन दिया जाता था इन्हीं सब वजह से धीरे-धीरे फैक्ट्री वर्कर्स द्वारा आंदोलन किए जाने लगे जिसके परिणाम स्वरूप अब महिलाओ को समानता की दृष्टि से अब देखा जाने लगा है। समाज से लड़कर छात्रा अपने लक्ष्य तक पहुंच सकती है महिलाओं के साथ होने वाली समस्या दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा का सामना कर जीवन को आर्थिक रूप से सफल बना सकती है एवं महिलाओं को भी पुरुष के समान अधिकार प्राप्त है।

अधिवक्ता संजय खोबरागड़े ने बताया सावित्री फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका थी जिन्होंने समाज की प्रतिकूल व्यवस्थाओं से लड़कर महिला सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया था डॉ बाबा साहेब आंबेडकर के विचार शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा वही दहाड़ेगा जैसे वक्तव्य से छात्राओं को प्रेरित किया। रसायन शास्त्र विभाग के स्वप्निल पाटिल ने अपने वक्तव्य में हर एक महिला को विज्ञान के क्षेत्र में अपने भविष्य बनाने की सलाह दी। डॉ. निखत खान ने कहा कि समाज में जब तक सफल नहीं होते तब तक संघर्ष करना चाहिए, फिर तो ही समाज के लोग आपका सम्मान भी करेंगे। कविता अहिगारे के द्वारा मंच संचालन किया गया। इस कार्यक्रम के सफल सन्चालन में शीतल गुजरे, अनिता देशमुख, रागिनी गुप्ता, पवन सोनी, डॉ. आशीष मेश्राम के अलावा महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ, विद्यार्थियों एवं एनएसएस टीम का विशेष योगदान रहा।

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com

Jabalpur Satpura Bhoomi - 08 Mar 2024 - Page 2

न्यायाधीश सुश्री सुधा पाण्डेय बोली महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होना जरूरी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

शासकीय राजा भोज महाविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया. माननीय व्यवहार न्यायालय कटंगी न्यायाधीश सुश्री सुधा पाण्डेय और अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े इस व्याख्यान में शामिल हुए. जहां माननीय न्यायाधीश ने पढ़ाई-लिखाई, नैतिक शिक्षा, विधिक जानकारी के साथ ही महिलाओं का उत्थान किस तरह से संभव है इस पर काफी विस्तार से अपनी बात रखी. माननीय न्यायाधीश ने बताया कि इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इंस्पायर इंक्लूजन है. जिसका अर्थ है महिलाओं के महत्व को समझने के लिए लोगों को जागरूक करना. इस थीम का अर्थ महिलाओं के लिए एक ऐसे समाज के निर्माण को बढ़ावा देना भी है जहां महिलाएं खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर सकें, सशक्त महसूस कर सकें. उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है. अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े ने दैनिक जीवन में घटित होने वाली घटनाओं के जरिए छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की जानकारी दी. वहीं महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक स्वप्निल पाटिल और निखहद खान ने भी अपने-अपने विचार रखें. कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ कुसुमलता उइके, शीतल गुजरे, कविता अहिंगारे मंचासीन रहे. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में भाग लेने वाले स्वयं सेवकों को न्यायाधीश के हस्ते प्रमाण पत्र वितरण करवाएं गए. इस दौरान न्यायालय से सहायक देवेन्द्र ठाकरे, कोर्ट मुहर्रिर राकेश मेश्राम, आरक्षक राहुल चौधरी, छत्रपाल बघेल, सना खान भी मौजूद रहीं।

धर्म और संस्कृति के नाम पर महिलाओं का शोषण- अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े

व्याख्यान को संबोधित करते हुए अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े ने दैनिक जीवन की घटनाओं के आधार पर बताया कि एक महिला किस तरह से दो रूपों में काम करती है. महिलाएं आपस में ही एक दूसरे को समझने में नाकाम है. उन्होंने कहा कि देश में ऐसी कई महिलाओं ने जन्म लिया जिन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए काम किया. सावित्री बाई फुले, डॉ बाबा साहब अंबेडकर और भी कई महापुरुषों ने महिलाओं को समानता दिलाने के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया. अधिवक्ता ने कहा कि आज समाज और धर्म ने महिलाओं को बांट कर रखा है. धर्म और संस्कृति के नाम पर महिलाओं के शोषण किया जा रहा है और उन्हें समान अधिकार नहीं मिल पा रहा है. उन्होंने का कि अगर महिलाओं के साथ किसी तरह का भेदभाव हो रहा है तो उस भेदभाव को खत्म करना जरूरी है. अगर महिलाओं के साथ अच्छा बर्ताव नहीं होता है तो उसके खिलाफ कदम उठाना जरूरी है और यह हर बार करना जरूरी है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होना जरूरी : न्यायाधीश सुश्री सुधा पाण्डेय

कटंगी (जबलपुर एवरग्रीन)।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को शासकीय राजा भोज महाविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया. माननीय व्यवहार न्यायालय कटंगी न्यायाधीश सुश्री सुधा पाण्डेय और अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े इस व्याख्यान में शामिल हुए. जहां माननीय न्यायाधीश ने पढ़ाई-लिखाई, नैतिक शिक्षा, विधिक जानकारी के साथ ही महिलाओं का उत्थान किस तरह से संभव है इस पर काफी विस्तार से अपनी बात रखी. माननीय न्यायाधीश ने बताया कि इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इम्पायर इक्वलिटी है. जिसका अर्थ है महिलाओं के महत्व को समझने के लिए लोगों को जागरूक करना. इस थीम का अर्थ महिलाओं के लिए एक ऐसे समाज के निर्माण को बढ़ावा देना भी है जहां महिलाएं खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर सकें, सशक्त महसूस कर सकें. उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है. अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े ने दैनिक जीवन में घटित होने वाली घटनाओं के जरिए छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की जानकारी दी. वहीं महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक स्वप्निल पाटिल और निखहद खान ने भी अपने-अपने विचार रखे. कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ कुसुमलता उइके, शीतल गुजरे, कविता अहिंगारे मंचासीन रहे. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में भाग लेने वाले स्वयं सेवकों को न्यायाधीश के हस्ते प्रमाण पत्र वितरण करवाए गए. इस दौरान न्यायालय से सहायक देवेन्द्र ताकरे, कोर्ट मुहर्रिर राकेश मेश्राम, आरक्षक राहुल चौधरी, छत्रपाल बघेल, सना खान भी मौजूद रहीं.

धर्म व संस्कृति के नाम पर महिलाओं का शोषण- अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े

व्याख्यान को संबोधित करते हुए अधिवक्ता संजय खोब्रागड़े ने दैनिक जीवन की घटनाओं के आधार पर बताया कि एक महिला किस तरह से दो रूपों में काम करती है. महिलाएं आपस में ही एक दूसरे को समझने में नाकाम है. उन्होंने कहा कि देश में ऐसी कई महिलाओं ने जन्म लिया जिन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए काम किया. सावित्री बाई फुले, डॉ बाबा साहब अंबेडकर और भी कई महापुरुषों ने महिलाओं को समानता दिलाने के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया. अधिवक्ता ने कहा कि आज समाज और धर्म ने महिलाओं को बांट कर रखा है. धर्म और संस्कृति के नाम पर महिलाओं के शोषण किया जा रहा है और उन्हें समान अधिकार नहीं मिल पा रहा है. उन्होंने का कि अगर महिलाओं के साथ किसी तरह का भेदभाव हो रहा है तो उस भेदभाव को खत्म करना जरूरी है. अगर महिलाओं के साथ अच्छा बर्ताव नहीं होता है तो उसके खिलाफ कदम उठाना जरूरी है और यह हर बार करना जरूरी है.

अर्धनारीश्वर की प्रतिमा महिला पुरुष बराबर इसका प्रमाण- सुश्री सुधा पाण्डेय

माननीय न्यायाधीश सुश्री सुधा पाण्डेय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में तो सभी जानते है बालिका दिवस के बारे में सभी जानते है लेकिन इसी तरह पुरुष दिवस भी मनाया जाता है. उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस क्यो मनाया जाता है इसके पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 1908 से पहले महिलाओं को मताधिकार नहीं था. एक ही काम के लिए महिलाओं और पुरुष को अलग-अलग वेतन दिया जाता था. अधिक काम करने पर भी महिलाओं को कम वेतन मिलता था. इसलिए कारखानों में काम करने वाली महिलाओं ने आंदोलन शुरू किया और धीरे-धीरे 1911 से 1918 से 1975 तक आंदोलन चलते रहे और महिलाए अपने अधिकारों के लिए लड़ती रही. उनकी लड़ाई की बदौलत आज महिलाओं को बराबर समानता का अधिकार नहीं है और महिलाएं हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही है. उन्होंने कहा महिलाओं को अपने सोचने की शक्ति को दृढ बनाना होगा. भारतीय संविधान ने सभी को शिक्षा का अधिकार दिया है. दो तरह की शिक्षाएं होती है पहली पढ़ाई-लिखाई और दूसरी नैतिकता. पहली शिक्षा हमें स्कूल-कॉलेज में मिलती है वहीं दूसरी शिक्षा नैतिकता से हमें समाज में परिवर्तन लाना है. भविष्य में शायद नैतिक, धर्म और संविधान की शिक्षा भी हमारे कोर्स में शामिल हो सकती है. धर्म का आशय हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई से नहीं बल्कि मानव धर्म से जुड़ा है. माननीय न्यायाधीश ने कहा कि घरों के भीतर महिलाओं में होने दायरा होता है लक्ष्य नहीं होता इसलिए विवाद होते है. अगर आज हम अपने सपनों को पूरा नहीं कर रहे है तो किसी और का सपना पूरा कर रहे है. इसलिए अपने सपनों को पूरा करने का सोचना चाहिए. अपना एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए. 07 साल कब 60 साल हो जाता है पता ही नहीं चलता. हमें समाज को और अपने देश की तरक्की में योगदान देना है. महिलाओं को आगे बढ़ने की जरूरत इसलिए भी है कि क्योंकि काम करने के लिए मैन पॉवर की कमी है केवल पुरूष ही काम करे और महिलाए काम ना करे तो नुकसान होगा. माननीय न्यायाधीश ने कहा कि छात्राओं की पढ़ाई-लिखाई के दौरान ही शादी करा दी जाती है और वह कुछ नहीं बोल पाती इसका प्रमुख कारण उनका कोई लक्ष्य ना होना है. छात्राओं को लक्ष्य तय करना होगा. आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य बहुत जरूरी है. आज शिक्षा के बहुत से साधन है उनका उपयोग कर आगे बढ़ा जा सकता है. अर्द्धनारीश्वर की प्रतिमा ही महिला पुरूष बराबर है यह सबसे बड़ा प्रमाण है. उन्होंने विद्यार्थियों को कानून से जुड़ी कई सारी जानकारी दी और उनके कानून से सवालों का जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया.

महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण एवं कानूनी जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महाविद्यालय में होगा आयोजन

कटंगी। शहर के राजा भोज शासकीय महाविद्यालय में आई .क्यू. ए.सी. समिति द्वारा महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुरुवार को महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण एवं कानूनी जागरूकता विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार मेश्राम आइक्यूएसी प्रभारी डॉ कुसुम लता उईके के निर्देशन में किया गया था ।

आयोजित व्याख्यान में न्यायधीश सुधा पांडे द्वारा छात्राओं को बताया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, बालिका दिवस के बारे में सभी को पता है लेकिन पुरुष दिवस के बारे में किसी को भी पता नहीं है जबकि पुरुष दिवस भी मनायां जाता है इसलिए यहां पर समानता है। महिला दिवस मनाने के पीछे कारण क्या है ऐसा क्यों है इस पर सभी को विचार करना जरुरी है की महिलाओं को वर्ष 1908 के पहले तक वोट देने का अधिकार नहीं था इसके अलावा एक ही काम के लिए महिला और पुरुष को अलग-अलग वेतन दिया जाता था अधिक समय तक काम करने के बावजूद भी महिला को कम वेतन दिया जाता था इन्हीं सब वजह से धीरे-धीरे फैक्ट्री वर्कर्स द्वारा आंदोलन किए जाने लगे जिसके परिणाम स्वरूप अब महिलाओं को समानता की दृष्टि से अब देखा जाने लगा है। समाज से लड़कर छात्रा अपने लक्ष्य तक पहुंच सकती है महिलाओं के साथ होने वाली समस्या जैसे दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा का सामना कर अपने जीवन को आर्थिक रूप से सफल बना सकती है एवं महिलाओं को भी पुरुष के समान अधिकार प्राप्त है।

अधिवक्ता संजय खोबरागड़े ने बताया सावित्री फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका थी जिन्होंने समाज की प्रतिकूल व्यवस्थाओं में लड़कर महिला सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया था डॉ बाबा साहेब आंबेडकर के विचार शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेंगा वही दहाड़ेगा जैसे वक्तव्य से छात्राओं को प्रेरित किया। रसायन शास्त्र विभाग के स्वप्निल पाटिल ने अपने वक्तव्य में हर एक महिला को विज्ञान के क्षेत्र में अपने भविष्य बनाने की सलाह दी। डॉ निखत खान ने कहा कि समाज में जब तक सफल नहीं होते तब तक संघर्ष करना चाहिए, फिर वो ही समाज के लोग आपका सम्मान भी करेंगें। सुश्री कविता अहिगारे के द्वारा मंच संचालन किया गया।

इस कार्यक्रम के सफल संचालन में सुश्री शीतल गुजरे, श्रीमती अनिता देशमुख, रागनी गुप्ता, पवन सोनी, डॉ आशीष मेश्राम, के अलावा महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ विद्यार्थियों एवं एनएसएस टीम का विशेष योगदान रहा।

Attached:

1. Geo-TaggedPhotos
2. PressRelease

EventCoordinator

IQACCoordinator

Principal

PRINCIPAL
Raja Bhoj Govt. Colle
Katangi-Balaghat- M.